12 / 12 / 78 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

अपने पूज्नीय स्वरूप द्वारा परोपकारी होने का अनुभव

➢➢ नुमाशाम में मैं आत्मा स्वदर्शन चक्र फिरा रही हूं

➳ _ ➳ खो जाती हूं अपने पूज्य स्वरूप में...

→ कैसी सुंदर, मनमोहक छवि है...

→ भव्यता से श्रृंगारित जड़ मूर्ति...

→ पूजा, अर्चना हो रही है...

→ भक्तजन जयजयकार कर रहे हैं

■ मात्र एक झलक पाने के लिए भक्तजन तपती धूप में खड़े हैं

➳ _ ➳ बाबा के महावाक्य मेरे कानों में गूंजने लगते हैं...

→ सदा नशा रखो की हमारा ही गायन हो रहा है...

→ तुम्हारे भक्त तुम्हें पुकार रहे हैं...

→ अपने पूज्य स्वरूप में होगें तो इन भक्तों पर तुम्हें रहम आएगा...

→ पूज्यपन से ही तुम दाता स्वरूप में आएंगे...

■ मैं अपने को पूज्य स्वरूप में स्थित करती हूं

➢➢ मुझे बापदादा ने अखुट ख़ज़ानों का मालिक बनाया है

➳ _ ➳ मुझे इन आत्माओं को भरपूर करना है...

→ मैं बाबा से मिले खजानों को अन्य आत्माओं को दे रही हूं...

→ अखंड दानी हूं...

→ सर्व के प्रति महादानी हूं...

→ किसी के प्रति कोई दुर्भावना नही है...

■ मैं अपने बाप समान परोपकारी बन रही हूं

➳ _ ➳ केवल शुभ भावना और सहयोग की कामना सर्व प्रति रखती हूं...

→ मुझे अब किसी के अवगुण दिखाई नहीं देते...

→ मैं उनको गुणवान बनने में सहयोग दे रही हूं...

→ परवश आत्माओ को भी शक्ति का दान दे रही हूं...

→ मैं सर्व आत्माओं को भरपूर करती जा रही हूं...

■ मेरा स्वरूप कल्याणकारी बनता जा रहा है...

➢➢ मैं नम्बर वन आत्मा हूं

➳ _ ➳ संतुष्ट मणि बन सबको सन्तुष्ट कर रही हूं...

→ मैं बाबा की मदद से अन्य आत्माओ को कांटे से फूल बनने में मदद कर रही हूं...

→ होपलेस आत्माओं में होप पैदा कर रही हूं...

→ हर आत्मा की कमजोरी परख उसे समाप्त करने में सहयोग दे रही हूं...

→ मैं निर्मानचित आत्मा हूं...

■ किसी भी आत्मा को खाली हाथ नही भेजती हूं...

■ यह देना देना नही वास्तव में लेना है...

■ महादानी बन सर्व अधिकारी, स्व उपकारी बन गयी हूं...

■ मुझ आत्मा ने सम्पूर्ण बनने के सर्व लक्षणों को स्वयं में आत्मसात कर लिया है...

■ चेतन रूप में भक्तजन मुझे पुष्प अर्पण कर रहे हैं और इस स्वरूप के लिए

स्वयं बापदादा मुझ आत्मा पर प्रशंसा के पुष्पों की वर्षा कर रहे हैं...

- कितनी भाग्यवान आत्मा हूं मैं स्वयं भगवान ही मेरे हो गए हैं...
- वाह रे वाह मैं आत्मा... वाह रे वाह मेरे बाबा... मुझे क्या से क्या बना दिया।